भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1738
दिनांक 03 अगस्त, 2026

रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार की पर्याप्तता

1738 श्री एस. निरंजन रेड्डीः

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारों की पर्याप्तता का आकलन किया है, जो वर्तमान में केवल 9.5 दिनों के कच्चे तेल भंडारण की आवश्यकता को पूरा करते हैं, जबकि वैश्विक मानक 90 दिनों के मुकाबले कुल भंडारण क्षमता लगभग 74 दिनों की है;
(ख) संशोधित अनुमान 2025-26 में रणनीतिक तेल भंडार के आवंटन को ₹1,039 करोड़ से घटाकर बजट अनुमान 2026-27 में ₹200 करोड़ किए जाने के क्या कारण हैं; और
(ग) क्या सरकार 90 दिनों की कच्चे तेल भंडारण क्षमता प्राप्त करने के लिए कोई कार्य-योजना तैयार करने का विचार रखती है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) और (ग) भारत सरकार ने चरण-I के तहत इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) नामक एक विशेष प्रयोजनार्थ कंपनी के माध्यम से तीन स्थानों (i) विशाखापत्तनम (1.33 एमएमटी), (ii) मंगलुरु (1.5 एमएमटी) और (iii) पादुर (2.5 एमएमटी) में कुल 5.33 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कच्चे तेल की क्षमता वाली स्ट्रेटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) सुविधाएं स्थापित की हैं।

इसके अतिरिक्त, भारत के पास पूरी ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला संबंधित अवसंरचना में कच्चे तेल तथा रिफाईंड पेट्रोलियम उत्पादों की भंडारण क्षमता है जो देशव्यापी पारिस्थितिकी तंत्र में अपतटीय सुविधाओं, रिफाइनरियों और 35,000 किलोमीटर से अधिक लंबे पाइपलाइन नेटवर्क में फैली हुई हैं। यह भूमि-ऊपर भंडारण टैंकों, पाइपलाइन तंत्रों, टर्मिनल टैंकेज, अपतटीय भंडारण, रिफाइनरी टैंकेज आदि के रूप में हैं।

भारत के पास सामूहिक रूप से उसकी शुद्ध कच्चे तेल के आयात की आवश्यकता को 74 दिनों तक पूरा करने के बराबर कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण की राष्ट्रीय क्षमता है।

सरकार ने जुलाई 2021 में, ओडिशा और कर्नाटक में कुल 6.5 एमएमटी की भंडारण क्षमता वाली दो अतिरिक्त वाणिज्यिक-सह-स्ट्रेटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व सुविधाओं की स्थापना को भी मंजूरी दी थी। इसके अलावा, अतिरिक्त एसपीआर की स्थापना के लिए नए स्थलों का आकलन निरंतर किया जा रहा है।

(ख) आईएसपीआरएल को सरकार से प्राप्त बजट आवंटन में प्रचालन और रखरखाव करने, स्ट्रेटिजिक कच्चे तेल की खरीद करने, कन्दराओं का निर्माण और भूमि की खरीद करने जैसे विभिन्न कारक शामिल होते हैं। सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष किए गए आकलन के अनुसार बजटीय आवंटन इनमें से प्रत्येक कारक के तहत आईएसपीआरएल की आवश्यकताओं पर निर्भर करता है।

*****